

ओहदा, दरजा 5. वृक्ष का थाला, आलबाल 6. अभिनय के समय का हाव-भाव विशेष 7. (नृत्य में) एक प्रकार की मुद्रा।

**स्थानकवासी** पुं. (तत्.) जैनों में एक विशिष्ट संप्रदाय।

**स्थान चिंतक** पुं. (तत्.) सेना के पड़ाव डालने/चौकी बनाने आदि के उद्देश्य से स्थान-स्थान की व्यवस्था करने वाला सैनिक अधिकारी।

**स्थानच्युत** वि. (तत्.) 1. अपने स्थान से गिरा/हटा या अलग हुआ, स्थान-भ्रष्ट 2. पद से हटाया हुआ, पदच्युत।

**स्थानतः** क्रि.वि. (तत्.) 1. अपने स्थान/पद के अनुसार 2. उपयुक्त स्थान से, उचित स्थान से व्या. उच्चारण करने की जगह।

**स्थानपदिक** वि. (तत्.) नियमित रूप से/प्रायः किसी एक स्थान आदि में होने या पाया जाने वाला जैसे- स्थानपदिक रोग।

**स्थानपाल** पुं. (तत्.) 1. स्थान या देश का रक्षक 2. पहरेदार, चौकीदार।

**स्थानपूरक** वि. (तत्.) खाली स्थान को भरने वाला।

**स्थानपूरक अलंकरण** पुं. (तत्.) खाली स्थानों को भरने के लिए फूल, लता, पशु-पक्षी आदि का सजावटी प्रयोग।

**स्थानबद्ध** वि. (तत्.) किसी एक ही स्थान से बँधा हुआ।

**स्थानबद्ध प्राणी** पुं. (तत्.) किसी एक ही स्थान पर अपने आधार से ही लगे/चिपके रहने वाला मूँगा, सूत्रकृमि आदि जैसा प्राणी।

**स्थानभीति** स्त्री. (तत्.) किसी स्थान को देखकर बिना किसी कारण के ही डरने का मानसिक रोग topophobia

**स्थानभ्रष्ट** वि. (तत्.) दे. स्थान-च्युत।

**स्थानमहात्म्य** पुं. (तत्.) (तीर्थ, मंदिर, पर्वत आदि) किसी स्थान की महिमा/गौरव।

**स्थानविद** वि. (तत्.) 1. किसी स्थान विशेष का जानकार 2. अनेक स्थानों का जानकार।

**स्थानस्थ** वि. (तत्.) 1. किसी स्थान पर टिका या टिककर रहने वाला 2. स्थानीय 3. पद विशेष पर आरुढ़।

**स्थानांतर** पुं. (तत्.) 1. प्रस्तुत से भिन्न कोई स्थान, दूसरा स्थान 2. स्थान-परिवर्तन, किसी स्थान से अन्य स्थान पर जाने की क्रिया/भाव 3. वस्तु का स्थान-परिवर्तन, बदली।

**स्थानांतरक** वि. (तत्.) किसी स्थान से अन्य स्थान पर जाने वाला।

**स्थानांतरक विद्यार्थी** पुं. (तत्.) किसी एक शिक्षण संस्थान से दूसरे संस्थान में प्रवेश चाहने का इच्छुक विद्यार्थी।

**स्थानांतरण** पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु या व्यक्ति को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर पहुँचाना, देखना या भेजना, बदली, तबादला transfer

**स्थानांतरित** वि. (तत्.) जिसका स्थानांतरण हुआ हो, एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर भेज दिया गया हो।

**स्थानाध्यक्ष** पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जिसपर किसी स्थान की रक्षा का भार हो, स्थान-रक्षक।

**स्थानान्विति** स्त्री. (तत्.) स्थान की एकता, नाटक के समस्त कार्य एक ही स्थल पर घटित होना।

**स्थानापत्ति** स्त्री. (तत्.) 1. किसी के स्थान पर या एवज में काम करना, स्थानापन्न होने की क्रिया/भाव 2. प्रतिस्थापन।

**स्थानापन्न** वि. (तत्.) 1. किसी के स्थान पर, एवज में काम करने वाला, एवजी 2. जिसे किसी के स्थान पर रखा गया हो 3. प्रतिस्थापित, किसी अधिकारी/कर्मचारी की अस्वस्थता, अनुपस्थिति या अविद्यमानता के कारण उसके स्थान पर काम करने वाला।

**स्थानिक** वि. (तत्.) 1. स्थान संबंधी 2. किसी विशेष स्थान में ही होने वाला, स्थानीय पुं. 1. स्थान रक्षक 2. मंदिर का प्रबंधक।